हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 85 | जौनपुर, बुधवार 20 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

## सांसद द्वारा अपनी नकल पर भड़के जगदीप धनखड़

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस के निलंबित सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा उनका मजाक उड़ाने पर असहमति व्यक्त करते हुए कहा कि नकल हास्यास्पद और अस्वीकार्य है। संसद के मकर द्वार पर अन्य निलंबित सांसदों के साथ विरोध प्रदर्शन के दौरान कल्याण बनर्जी को उपराष्ट्रपति की नकल करते देखा गया, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर अपने मोबाइल फोन का उपयोग करके तृणमूल कांग्रेस सांसद का वीडियो बनाते देखा गया। स्थगित होने के बाद दोपहर 12 बजे जैसे ही सदन दोबारा शुरू हुआ, धनखड़ ने घटना पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के सभापति का कार्यालय और स्पीकर का कार्यालय बहुत अलग है। राजनीतिक दलों की अपनी–अपनी धाराएँ होंगी, उनके बीच आदान–प्रदान होगा, लेकिन कल्पना कीजिए कि आपकी पार्टी का एक वरिष्ठ नेता किसी अन्य पार्टी के किसी अन्य सदस्य की वीडियो ग्राफी कर रहा है।

# सीएम योगी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक, 2.40 लाख अधूरे घरों का निर्माण किया जाएगा पूरा

बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रेस कांफ्रेंस में फैसलों को लेकर जानकारी दी

लखनऊ (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में एनसीआर के अधूरे पड़े 2.40 लाख घरों को पूरा करने की मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से खरीदारों को राहत मिलेगी। दरअसल, रियल स्टेट प्रोजेक्ट्स की समस्याओं के निदान के लिए नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था जिसने डेवलपर्स की खराब वित्तीय हालत को देखते हुए अपनी संस्तुतियां दी थी जिस पर निर्णय लिया गया है। इससे रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा और खरीदारों को फ्लैट मिल सकेंगे। कैबिनेट ने नगर निगम कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी और आगरा के लिए म्युनिसिपल बांड जारी करने और स्थापना विकास निधि से क्रेडिट रेटिंग इन्वेस्टमेंट के लिए धनराशि उपलब्ध कराए जाने को स्वीकृति दे दी है। बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रेस कांफ्रेंस में फैसलों को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बैठक में प्रदेश के 57 जिलों में साइबर क्राइम पुलिस थानों की स्थापना की मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम में आरोपियों की गिरफ्तारी से लेकर उन्हें सजा दिलाने और वसूली में यूपी देश में अव्वल है। संजय गांधी स्नाकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ में एडवांस्ड प्रिडिक केंद्र की स्थापना के लिए प्रस्ताव को मंजूरी। उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 के अंतर्गत प्रदेश में मेगा श्रेणी के औद्योगिक उपक्रमों हेतु विशेष सुविधाएं एवं रियायती अनुमय कराए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। जिला शाहजहांपुर में नवीन जिला कारागार जिसमें बंदी क्षमता 2120 के निर्माण कार्य के लिए संपूर्ण प्रयोजन एवं लाख की लागत पर प्रशासकीय स्वीकृति के संबंध में स्वीकृति दे दी गई है। उत्तर प्रदेश वन विभाग अवर अधीनस्थ (वनरक्षक और वन्य जीव रक्षक) सेवा नियमावली 2015 में संशोधन को मंजूरी।

बैठक में अधिवक्ता कल्याण निधि को बढ़ाकर 500 करोड़ किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति। सहारनपुर विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र में 33 राजस्व ग्रामों को सम्मिलित किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। कैबिनेट ने नगर निगम कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी और आगरा के लिए म्युनिसिपल बांड जारी करने और स्थापना विकास निधि से क्रेडिट रेटिंग इन्वेस्टमेंट के लिए धनराशि उपलब्ध कराए जाने को स्वीकृति दे दी है।

## यूपी में साइबर अपराधों पर लगेगी नकेल, 57 जिलों में खुलेंगे साइबर क्राइम थाने

लखनऊ (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में बढ़ते हुए साइबर क्राइम के मामलों को देखते हुए योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत प्रदेश के 57 जनपदों में साइबर क्राइम थाने स्थापित किए जाएंगे। सीएम योगी की अध्यक्षता में लोकभवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लग गई। इस निर्णय के साथ ही प्रदेश के सभी जनपदों में साइबर क्राइम थानों की मौजूदगी हो जाएगी। फिलहाल प्रदेश के सभी 18 मंडलों में साइबर क्राइम थाने मौजूद हैं। अभी तक आईजी स्तर का अधिकारी इन थानों को देखता था लेकिन सभी जनपदों में साइबर क्राइम थाने स्थापित होने के बाद पुलिस अधीक्षक इसकी जिम्मेदारी निभाएंगे। लोकभवन के मीडिया सेंटर में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बढ़ते साइबर क्राइम को देखते हुए सभी 75 जनपदों में साइबर थानों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। 18 मंडल मुख्यालयों में पहले से ही साइबर थाने मौजूद हैं, बल्कि अब बाकी बचे 57 जनपदों में भी थाने स्थापित करने का बड़ा निर्णय लिया गया है। इसकी स्थापना पर सरकार पर लगभग एक अरब, 27 करोड़, 24 लाख, 51 हजार रुपए से अधिक की धनराशि का व्यय भार अनुमानित है। सरकार तेजी से इस पर काम करने जा रही है और जल्द ही ये थाने स्थापित किए जाएंगे। इससे न सिर्फ साइबर क्राइम पर नजर रखी जा सकेगी, बल्कि उस पर प्रभावी कार्रवाई भी संभव हो सकेगी।

## भूपेश बघेल को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। 2024 में आगामी लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने मंगलवार को 5 सदस्यीय राष्ट्रीय गठबंधन समिति का गठन किया। मुकुल वासनिक उस समिति के संयोजक होंगे जिसमें वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद और मोहन प्रकाश सदस्य होंगे। पार्टी ने एक बयान में कहा कि 2024 के आम चुनाव से पहले, कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से एक राष्ट्रीय गठबंधन समिति का गठन किया है। सूत्रों के मुताबिक, पैनल अन्य दलों के साथ गठबंधन बनाने के सभी पहलुओं पर गौर करेगा। एक आधिकारिक संचार में, कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने कहा, ष्आम चुनाव–2024 से पहले, कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से एक राष्ट्रीय गठबंधन समिति का गठन किया है। पांच सदस्यीय समिति इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस के लिए सीट बंटवारे की बातचीत का ध्यान रखेगी।

# विपक्ष के रवैये पर पीएम मोदी ने जताया दुख, कहा- ये हताशा और बौखलाहट हार से है

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बीजेपी सांसदों को विपक्ष की आलोचना का जवाब देते समय मर्यादा बनाए रखने की सलाह दी**

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बीजेपी सांसदों को विपक्ष की आलोचना का जवाब देते समय मर्यादा बनाए रखने की सलाह दी। वह 2023 की आखिरी संसदीय दल की बैठक को संबोधित कर रहे थे। पीएम ने संसद में विपक्ष के रवैये पर भी दुख जताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष की हताशा और बौखलाहट तीन राज्यों में हार से है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विपक्ष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से युवाओं द्वारा किये गये सुरक्षा उल्लंघन का समर्थन कर रहा है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गठबंधन का लक्ष्य मोदी को हटाना है लेकिन सरकार का मकसद देश का विकास करना है। पीएम मोदी ने संसद में विरोध प्रदर्शन को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि उनके आचरण से यह सुनिश्चित होगा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उनकी संख्या और कम हो जाएगी जबकि भाजपा को संख्या में फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले हर व्यक्ति को जो कुछ हुआ उसकी सामूहिक रूप से निंदा करनी चाहिए थी। प्रधानमंत्री ने भाजपा सदस्यों से संयम बनाए रखने और लोकतांत्रिक मानदंडों का पालन करने को कहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के खिलाफ अपनी रणनीति तैयार करने के लिए मंगलवार को इंडिया ब्लॉक पार्टियों की बैठक में मोदी ने कहा कि उनका लक्ष्य उनकी सरकार को उखाड़ फेंकना है, लेकिन उनकी सरकार का लक्ष्य देश के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना है। उन्होंने बीजेपी सांसदों को सत्र के बाद सीमावर्ती गांवों का दौरा करने की भी सलाह दी। पीएम की चिंताओं के बारे में बात करते हुए बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा, श्श...पीएम मोदी ने कहा कि आज संसद के लिए 2023 की आखिरी मंगलवार की बैठक है। हॉल में लगभग 2.5 ब्लॉक बीजेपी सांसदों से भरे हुए हैं, 2024 तक पूरा ब्लॉक भर जाएगा.श्श बीजेपी सांसदों से भरा हो...इंडिया गठबंधन का मकसद पीएम मोदी की सरकार को सत्ता से बाहर करना है लेकिन हमारा मकसद देश का भविष्य उज्ज्वल करना है पीएम मोदी ने संसद में विरोध प्रदर्शन को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि उनके आचरण से यह सुनिश्चित होगा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उनकी संख्या और कम हो जाएगी जबकि भाजपा को संख्या में फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले हर व्यक्ति को जो कुछ हुआ उसकी सामूहिक रूप से निंदा करनी चाहिए थी। प्रधानमंत्री ने भाजपा सदस्यों से संयम बनाए रखने और लोकतांत्रिक मानदंडों का पालन करने को कहा है।

## शशि थरूर, डिंपल यादव, सुप्रिया सुले सहित 49 निलंबन

नई दिल्ली (एजेन्सी)। संसद में विपक्षी इंडिया गुट की ताकत मंगलवार को और कम हो गई। अनियंत्रित व्यवहार और सभापति के निर्देशों की अवहेलना के लिए अधिक सांसदों को निलंबित कर दिया गया। यह एक दिन पहले संसद के दोनों सदनों से अभूतपूर्व रूप से 78 सांसदों के निलंबन के बाद हुआ है। लोकसभा में सुप्रिया सुले, मनीष तिवारी, शशि थरूर, मोहम्मद फैसल, कार्ति चिदंबरम, सुदीप बंधोपाध्याय, डिंपल यादव और दानिश अली सहित 49 विपक्षी सांसदों को संसद के शेष शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। लोकसभा सांसद फारूक अब्दुल्ला को संसद के शेष शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि ष्पुलिस किसके अंतर्गत आती है? अगर उन्होंने (केंद्रीय गृह मंत्री) घटना (सुरक्षा उल्लंघन) पर संसद में बयान दिया होता तो क्या होता?ष सांसदों को निलंबित करने का प्रस्ताव केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा लाया गया था। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने निचले सदन में कहा, श्श्सदन के अंदर तख्तियां नहीं लाने का निर्णय लिया गया। हालिया चुनाव हारने के बाद हताशा के कारण वे ऐसे कदम उठा रहे हैं।

## सदन से हटाई गई नेहरू की तस्वीर

नई दिल्ली (एजेन्सी)। 16वीं मध्य प्रदेश विधानसभा के पहले सत्र में सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर के स्थान पर डॉ. बीआर अंबेडकर की तस्वीर लगाए जाने को लेकर विवाद हुआ। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अंबेडकर की तस्वीर स्थापित करना एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन नेहरू की तस्वीर को हटाना इतिहास बदलने की भाजपा की साजिश है। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि चित्र को हटा दिया गया था क्योंकि यह खराब स्थिति में था और बाद में वहां अंबेडकर का चित्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया। कांग्रेस के चुरहट विधायक अजय सिंह ने कहा कि हम बीआर अंबेडकर के पोस्टर लगाने के कदम का स्वागत करते हैं, लेकिन यह बेहद आपत्तिजनक है कि उन्होंने नेहरू की तस्वीर हटा दी।

# टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को दिल्ली हाई कार्ट से भी नहीं मिली राहत

**दिल्ली उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की निष्कासित सांसद महुआ मोइत्रा को कोई तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया**

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की निष्कासित सांसद महुआ मोइत्रा को कोई तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया, जिन्होंने 7 जनवरी तक अपना सरकारी आवास खाली करने के निर्देश वाले नोटिस को रद्द करने की मांग की थी। उच्चतम न्यायालय के समक्ष संसद से उनके निष्कासन की वैधता को चुनौती देने वाली उनकी याचिका के लंबित होने पर ध्यान देते हुए, अदालत ने कहा कि उनकी वर्तमान याचिका पर निर्णय देने से सीधे तौर पर शीर्ष अदालत के समक्ष कार्यवाही बाधित होगी। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने निष्कासित सांसद की ओर से पेश हुए वकील से कहा कि मैं क्या करूँ सर? आपने रिट याचिका दायर करके आदेशों को चुनौती दी है। यदि सुप्रीम कोर्ट आपके पक्ष में स्टे देता है, तो आपका निलंबन रोक दिया जाएगा।

अगर हम इस पर निर्णय देते हैं, तो यह सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही को प्रभावित करेगा। सुप्रीम कोर्ट खुलने और आपके मामले पर विचार करने के बाद यह हमारे पास 4 जनवरी को होगा। मोइत्रा के वकील ने अदालत से संपदा निदेशालय को याचिका पर चार जनवरी से पहले जवाब दाखिल करने का निर्देश देने का अनुरोध किया, लेकिन उसने कहा कि वह अगली तारीख पर ही इस याचिका पर सुनवाई करेगा। याचिका में अनुरोध किया गया है कि संपदा निदेशालय के 11 दिसंबर के आदेश को रद्द किया जाए और मोइत्रा को 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने तक आवास का कब्जा वापस दिया जाए। मोइत्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पिनाकी मिश्रा ने कहा कि याचिकाकर्ता केवल 31 मई 2024 तक सरकारी आवास का कब्जा वापस देने का अनुरोध कर रही हैं। संपदा निदेशालय की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा और केंद्र सरकार के स्थायी वकील अनुराग अहलुवालिया पेश हुए। मोइत्रा को कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से कथित तौर पर उपहार लेने के बदले में सवाल पूछने और उनके साथ संसद वेबसाइट की 'लॉग इन' आईडी और 'पासवर्ड' साझा करने के लिए 'अनैतिक आचरण' का दोषी ठहराया गया था और आठ दिसंबर 2023 को लोकसभा की उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गयी थी। उन्होंने अपने निष्कासन को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। न्यायालय मामले पर तीन जनवरी 2024 को सुनवाई करेगा। अगर हम इस पर निर्णय देते हैं, तो यह सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही को प्रभावित करेगा।

## सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को गिरफ्तारी से प्रदान की सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कथित जबरन धर्म परिवर्तन के एक मामले में सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज (इलाहाबाद) के कुलपति और पांच अन्य अधिकारियों को गिरफ्तारी से सुरक्षा दे दी। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और केवी विश्वनाथन की अवकाश पीठ ने 12 जनवरी या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, रोक लगा दी, पिछले हफ्ते इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश में राजेंद्र बिहारी लाल और अन्य को 20 दिसंबर तक आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था। छह लोगों ने उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया, जिसमें विश्वविद्यालय के एक पूर्व कर्मचारी ने उनके खिलाफ 4 नवंबर को उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में ईसाई धर्म अपनाने के लिए राजी करने के लिए नौकरी की पेशकश और अन्य प्रलोभन का आरोप लगाते हुए दायर मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया था। शिकायतकर्ता ने सामूहिक बलात्कार का भी आरोप लगाया है और एक अन्य महिला पर उसे फंसाने और नियमित रूप से चर्च में ले जाने का आरोप लगाया है।

## ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम पक्ष को फिर बड़ा झटका

वाराणसी (एजेन्सी)। वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ–ज्ञानवापी भूमि स्वामित्व विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को बड़ा आदेश दिया है। ज्ञानवापी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1991 के मुकदमे को ट्रायल की मंजूरी दे दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पांच याचिकाएं खारिज कर दी हैं। जज जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने मालिकाना हक विवाद के मुकदमों को चुनौती देने वाली सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी की याचिकाएं खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि मुकदमा देश के दो प्रमुख समुदायों को प्रभावित करता है। हाईकोर्ट ने कहा कि हम वाराणसी जिला ट्रायल कोर्ट को छह महीने में मुकदमे का फैसला करने का निर्देश देते हैं। काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी केस में 1991 में वाराणसी कोर्ट में पहला मुकदमा दाखिल हुआ था।

# इस बार भी ईडी के सामने पेश नहीं होंगे केजरीवाल राघव चड्ढा ने की पुष्टि

**चड्ढा ने कहा कि आप सुप्रीमो के विपश्यना शिविर की योजना पहले से तय थी और नेताओं से कानूनी सलाह ली जा रही है**

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तलब किया है। हालांकि, वह 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र में जाने की अपनी योजना जारी रखेंगे। पार्टी नेता नेता राघव चड्ढा ने पुष्टि की। चड्ढा ने कहा कि आप सुप्रीमो के विपश्यना शिविर की योजना पहले से तय थी और नेताओं से कानूनी सलाह ली जा रही है। केजरीवाल लंबे समय से विपश्यना का अभ्यास कर रहे हैं, जो एक प्राचीन भारतीय ध्यान तकनीक है जिसमें अभ्यासकर्ता मानसिक कल्याण को बहाल करने के लिए लंबे समय तक संचार के किसी भी माध्यम से दूर रहते हैं और बेंगलुरु सहित कई ऐसे शिविरों में गए हैं। आप नेता हर साल 10 दिन का विपश्यना कोर्स करते हैं। इस वर्ष का पाठ्यक्रम 19 से 30 दिसंबर तक निर्धारित है। इस बीच, ईडी ने अब खत्म हो चुकी दिल्ली शराब नीति में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के सीएम को 21 दिसंबर को पेश होने के लिए बुलाया है। केजरीवाल को यह दूसरा समन है। पहले उन्हें 2 नवंबर को जांच एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। केजरीवाल ने नवंबर के समन को नजरअंदाज कर दिया था और इसे अवैध और राजनीति से प्रेरित बताया था। अप्रैल में दिल्ली शराब मामले के सिलसिले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भी उनसे पूछताछ की थी। राघव चड्ढा ने भाजपा पर अरविंद केजरीवाल से श्डरनेश और उन्हें श्कमजोरश करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर आज सत्येन्द्र जैन, मनीष सिसौदिया और संजय सिंह बीजेपी में शामिल होते हैं तो वे ढोल–नगाड़ों के साथ उनका स्वागत करेंगे और मामले खत्म करा देंगे। बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को दिल्ली के सीएम पर तंज कसते हुए कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वह कब तक जेल से दूर रह पाएंगे। दिल्ली में श्नवीन शाहदरा जिला कार्यकर्ता संगमश में बोलते हुए, ईरानी ने कहा, ष्मैं जानती हूं कि आपको (भाजपा नेता मनोज तिवारी) और जिला अध्यक्ष को अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार से कोई उम्मीद नहीं है... जो व्यक्ति पहले ही भेज चुका है उनका आधा मंत्रिमंडल जेल में है, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वह कितने समय तक बाहर रहेंगे...। जांच एजेंसी ने अरविंद केजरीवाल को अब खत्म हो चुकी दिल्ली शराब नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 21 दिसंबर को पेश होने के लिए कहा है। केजरीवाल को ईडी के समन पर प्रतिक्रिया देते हुए चड्ढा ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री का विपश्यना ध्यान शिविर पहले से निर्धारित था और वकीलों से कानूनी सलाह ली जा रही थी। उन्होंने कहा कि ईडी को तदनुसार जवाब दिया जाएगा। विपश्यना एक प्राचीन भारतीय ध्यान तकनीक है जिसमें अभ्यासकर्ता अपनी मानसिक भलाई को बहाल करने के लिए लंबे समय तक बात करके या इशारों के माध्यम से किसी भी संचार से दूर रहते हैं। अरविंद केजरीवाल लंबे समय से विपश्यना का अभ्यास कर रहे हैं ।

## शरद पवार ने सांसदों के निलंबन पर सरकार को घेरा, कहा- स्पष्टीकरण मांगने का वैध अधिकार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से संसद में हालिया सुरक्षा चूक की जांच करने को कहा और सांसदों के निलंबन में भी उनसे हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि इस घटना के लिए स्पष्टीकरण मांगने वाले संसद सदस्यों को निलंबित करने का निर्णय जवाबदेही और पारदर्शिता के सिद्धांतों के विपरीत प्रतीत होता है। संसद सदस्यों को स्पष्टीकरण मांगने और संसदीय वातावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करने का वैध अधिकार है। पवार ने इस बात पर जोर दिया कि सांसदों का उग्र विरोध केवल ष्घटना की गंभीरताष को दर्शाता है और कहा, ... यह स्वाभाविक है कि संसद सदस्य स्पष्टीकरण मांगेंगे... और सरकार को एक बयान के साथ आगे आना चाहिए था कि वह इस मुद्दे को कैसे संबोधित करना चाहती है।ष उन्होंने यह भी कहा कि हालाँकि, यह निराशाजनक है कि सरकार ने न केवल इस तरह के बयान से खुद को दूर कर लिया है, बल्कि स्पष्टीकरण या बयान मांगने वाले सदस्यों को निलंबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि सरकार न केवल ऐसा बयान देने से बच रही है बल्कि इस संबंध में स्पष्टीकरणध्बयान मांग रहे संसद सदस्यों को निलंबित करने की कार्रवाई कर रही है। अनुभवी राजनेता ने यह भी बताया कि कुछ सांसद जो ष्निरंतरश व्यवधानष में शामिल नहीं थे, उन्हें इस सत्र के शेष भाग के लिए संसद से बाहर निकाल दिया गया था।

# सम्पादकीय

## प्रवासन विरोधी नीतियों की प्रयोगशाला बन गए हैं विकसित देश

पिछले दिनों एक शाम ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को अजीब स्थिति का सामना करना पड़ा, जब डच प्रधानमंत्री के साथ फोटो सेशन के बाद किसी तकनीकी त्रुटि से वह अपने आधिकारिक निवास 10, डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर खड़े रह गए। सुनक ने डच प्रधानमंत्री के साथ बैठक के लिए अंदर जाने का प्रयास किया, लेकिन दरवाजा ही नहीं खुला। ब्रिटिश विपक्ष ने उस स्थिति को सुनक की मुश्किल स्थिति का रूपक बताया, जिन्हें समस्याएं विरासत में मिली हैं। यह वस्तुतरू उस व्यवस्थागत गतिरोध का भी रूपक है, जिसका ब्रिटेन समेत दूसरे कई विकसित देश सामना कर रहे हैं। समृद्ध और विकसित देशों में लचर प्रशासनिक स्थिति 'नाम बड़े और दर्शन छोटे' की याद दिलाती है। कृपया इस स्थिति की कल्पना कीजिए रू जी–7 समूह के एक देश के, जिसकी जीडीपी 30 खरब है, प्रधानमंत्री अपने सहयोगियों के साथ सड़क पर एक गड्ढे के सामने खड़े हैं। विगत 17 नवंबर को ब्रिटिश प्रधानमंत्री के आधिकारिक एक्स हैंडल ने एक तस्वीर जारी की। सड़क के गड्ढों को ठीक करने के लिए आठ अरब पाउंड आवंटित करने की घोषणा के साथ उसमें यह गर्वोक्ति भी थी कि श्यह किसी राजनेता द्वारा सड़क के गड्ढे की ओर इशारा करने का आखिरी मामला होगा। शासन में ऐसे गड्ढों या अवरोधों की बड़ी कीमत वहां के नागरिकों को चुकानी पड़ रही है। ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स ने हाल ही में एक आंकड़ा जारी किया रू श्अस्पताल में इलाज कराने की वेटिंग लिस्ट विगत सितंबर में बढ़कर लगभग 78 लाख हो गई।श एनएचएस (नेशनल हेल्थ सर्विस) के मुताबिक, सामान्य और चिकित्सकीय परामर्श चाहने वाले मरीजों को अधिक से अधिक 18 सप्ताह तक इंतजार करना पड़ सकता है। पर 2016 से यह इंतजार 18 सप्ताहों से कहीं ज्यादा है। बदहाली स्वास्थ्य सेवा तक सीमित नहीं है। स्कूली शिक्षा भी बाधित हो रही है। इस महीने की शुरुआत में सरकार ने 231 खतरनाक स्कूलों की सूची जारी की। दरअसल भवन निर्माण में लाइटवेट कंकरीट का इस्तेमाल करने से इन भवनों के ढह जाने का खतरा है। नतीजतन इन स्कूलों के छात्रों को अस्थायी कक्षाओं में भेजा गया है। ब्रिटेन में सिर्फ नागरिक ही नहीं भुगत रहे, सरकार की स्थिति भी ठीक नहीं। विगत 18 महीनों में इस देश ने तीन प्रधानमंत्री देखे हैं, और एक बार फिर प्रवासियों के मुद्दे पर सरकार गिरने की आशंका है। संकट में सिर्फ ब्रिटेन नहीं, बल्कि पूरा यूरो जोन ही आर्थिक मंदी की ओर जा रहा है। यूरोपीय संघ की आर्थिक विकास दर घटकर 1.7 फीसदी रहने वाली है। ऐसा क्यों है? यूरोपीय सेंट्रल बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री फिलिप लेन कहते हैं रू श्अनेक देश 1990 के दशक में आर्थिक रूप से जहां खड़े थे, आज वहां से काफी पीछे चले गए हैं। समय के साथ आर्थिक सुधार रोक दिए गए।श इस आर्थिक गतिरोध के नतीजे बहुआयामी हैं। यूरोप हड़तालों से प्रभावित है। फ्रांस में श्रमिक संघों से जुड़े कामगार पहले मार्च, फिर अक्तूबर में हड़ताल पर चले गए। विगत सात दिसंबर को जर्मनी में ट्रेन ड्राइवर अपनी मांग न माने जाने पर हड़ताल पर चले गए थे–जो इस साल उनकी चौथी हड़ताल थी। इटली, फ्रांस, बेल्जियम और यूनान के हवाई अड्डों पर हड़ताल से न सिर्फ हवाई यातायात बाधित हुआ, बल्कि इससे यूरोपीय लोगों के छुट्टियों पर जाने की योजना भी प्रभावित हुई। हवाई अड्डों पर हड़ताल के लगातार मामलों को देखते हुए टाइम आउट जैसे प्रकाशन को यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी कर बताना पड़ा कि दिसंबर में 10, 12, 15द्17, 19 और 22द्31 हड़ताल की तारीखें हैं। अर्थशास्त्र राजनीति को प्रभावित करता है। प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के लिए दूसरे मुल्कों को अपना उपनिवेश बनाने वाले और अफ्रीका व अन्य देशों से बड़ी संख्या में श्रमिकों को लुभाकर ले जाने वाले विकसित देश आज प्रवासन–विरोधी हिंसा के केंद्र बन गए हैं। जबकि याद किया जा सकता है कि जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड, फ्रांस, बेल्जियम, नीदरलैंड्स, डेनमार्क और स्वीडन जैसे देशों ने अपनी अर्थव्यवस्था को आकार देने के लिए कभी श्गेस्ट वर्कर्सश प्रोग्राम शुरू किए थे। ऐसे ही, विश्वयुद्ध के बाद अपनी अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण के लिए जर्मनी ने तुर्किये, मोरक्को और ट्यूनीशिया से 20 लाख कामगार बुलाए थे। जबकि फ्रांस ने उत्तर अमेरिका से श्रमिकों को अपने यहां आकर्षित किया था। आज उसका उल्टा हो रहा है। दशकों से यूरोप अपनी सुरक्षा जरूरतें नाटो से और आर्थिक जरूरतें चीन से आउटसोर्स करता रहा है। लेकिन वह दौर अब खत्म हो चुका है। यूरो जोन में उत्पादकता रसातल में है, इसकी आबादी सिकुड़ रही है। अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए उन्हें प्रवासी कामगार चाहिए, पर इसके तमाम देश प्रवासन–विरोधी नीतियों की प्रयोगशाला बन गए हैं। फ्रांस, स्वीडन, आयरलैंड और जर्मनी के दक्षिणपंथी प्रवासी मजदूरों के खिलाफ सड़कों पर हैं। इटली, हंगरी और स्लोवाकिया जैसे देशों के चुनावी नतीजे इसी के अनुरूप हैं।

## सचेत रहें तो हर स्थिति को सुधार सकते हैं

रविवार की सुबह–सुबह एक मैराथन के बाद मेरी पत्नी ने मुझे फोन करके कहा कि चूंकि मौसी (हमारी कुक) देर से आएंगी तो क्या तुम इडली बना सकते हो? मुझे भूख लगी है। वह 15 मिनट बाद आईं और मैंने कहा कि अभी पांच मिनट और लगेंगे। वह थोड़ी दुखी हो गईं क्योंकि इडली 12 मिनट में बन सकती है। हताशा में उन्होंने कहा, ठीक है, मुझे कॉफी दे दो। और तब मुझे एहसास हुआ कि मैं आसानी से दूध उबालने के लिए रख सकता था लेकिन चूंकि नाश्ता बनाने में भी मेरा दिमाग पूरी तरह उपस्थित नहीं था, तो मेरे हर काम में देर हो गई, जिसे देखकर मेरी पत्नी को अच्छी अनुभूति नहीं हुई। इससे मुझे शनिवार को जलगांव से नासिक तक की अपनी यात्रा याद आ गई। चालक सीट पर बैठे जैन इरिगेशन के जितेंद्र रघुनाथ पाटिल रास्ते भर मेरे आराम का ध्यान रखते हुए बार–बार रियर मिरर देखते रहे और मक्खन की तरह 247 किमी गाड़ी चलाई। जब मैं पानी पीता तो वह तुरंत गाड़ी धीमी कर लेते ताकि मेरी शर्ट गीली ना हो। उन्होंने अपने एक और भाव से मुझे हतप्रभ कर दिया। जब मैं लंच करने लगा तो उन्होंने हाईवे के बजाय गाड़ी सर्विस रोड से ले ली। जब मैंने पूछा कि क्यों, तो वह बोले, बदकिस्मती से इस रास्ते पर ज्यादा गड्ढे और स्पीड ब्रेकर हैं, जिससे दाल और बाकी तरल चीजें आपके पैंट या शर्ट पर गिर सकती हैं। मेरा यकीन करें, मैं कई कारणों से अचंभित रह गया। पहला तो उन्हें पूरे रास्ते में गड्ढे और स्पीड ब्रेकर के बारे में पता था और उन्हें यह गहरी समझ थी कि उनका काम सिर्फ मुझे गंतव्य तक पहुंचाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यात्रा के दौरान मुझे यथासंभव कंफर्ट भी देना है। कुल–मिलाकर उन्होंने वह खुशी देने के लिए नौकरी से आगे बढ़कर काम किया। इसलिए ताज्जुब नहीं कि जैन इरिगेशन के एमडी अजीत जैन ने उन्हें मेरा ड्राइवर बनाकर भेजा। इससे मुझे हाल ही में पढ़ी चंबल के एक डकैत की कहानी याद आ गई। शहर की तासीर समझने बिना वह बॉम्बे (अब मुंबई) आया और रात में फुटपाथ पर सो गया। उसे नहीं पता था कि वहां रात में सोने के लिए भी गुंडों को हफ्ता देना पड़ता है। वे हर रात को पैसे वसूलने आते थे। उस दिन एक दुबला–पतला और मजाकिया से लगने वाला आदमी कुछ पहलवानों के साथ आया और सो रहे लोगों को लात मारना शुरू कर दिया और उनसे कटोरे में हफ्ता डालने के लिए कहा। उस खूंखार डकैत ने उनके कटोरे में पैर डाला। और पहलवानों के साथ आए उस आदमी ने यह जाने बिना कि वह डकैत है, उससे कहा, 'ऐ शांडे, पैर निकाल, हाथ जेब में डाल और पैसा निकाल।' और डकैत गुस्से में उठा और वहां से जाने लगा। अचानक ही कोने से 'कट–कट' की आवाज सुनाई दी। पता चला कि डाकू का किरदार निभा रहे महान अभिनेता प्राण साहब इस डायलॉग में हुए परिवर्तन से नाराज हो गए थे क्योंकि उन्हें लगा कि यह एक छोटे कलाकार की गुस्ताखी थी। 1981 की वह फिल्म 'जियो और जीने दो' की शूटिंग दो घंटे तक रुकी रही जब तक कि बड़े लोगों ने दखल नहीं दिया और माफी नहीं मांगी। लेकिन वह छोटा–सा किरदार निभा रहा कलाकार इस बात से चौंक गया क्योंकि उसे लगा कि यह किरदार बॉम्बे की हकीकत की नकल थी। और हफ्ता वसूली करने वाले की भूमिका नईम सैय्यद निभा रहे थे, जिन्हें हम 'जूनियर महमूद' के नाम से जानते हैं, जिनका हाल ही में निधन हो गया।

# राजनीति का नया कुरुक्षेत्र मालवा और भाजपा की दिशा-दशा

अजय बोकिल

हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में से एक और लोकसभा सीटों के लिहाज से भी तीसरे बड़े राज्य मध्यप्रदेश में दोनो प्रमुख राजनीतिक दलों भाजपा और कांग्रेस में पीढ़ी परिवर्तन की सियासत अब दिलचस्प मोड़ में है। मप्र में विधानसभा चुनाव में बंपर जीत के बाद सत्तारूढ़ भाजपा अब पूरे घर के बदल डालने की तर्ज पर काम रही है तो इसके जवाब में कांग्रेस ने भी अपने सभी मुख्य सिपहसालार ताबड़तोड़ बदल दिए हैं। मोटे तौर पर बदलाव का यह फार्मूला फ्रेश चेहरों को आगे लाने, जातीय व क्षेत्रीय समीकरण साधने और आने वाले कम से कम एक दशक राजनीति कर सकने वालों को कमान सौंपने की नीयत से लागू किया गया है। खास बात यह है कि दोनों ही पार्टियों ने इस बार राज्य के अपेक्षाकृत समृद्ध और प्रगत क्षेत्र मालवा अंचल को केन्द्र में रखा है, जिसके बारे में कहा जाता है कि सत्ता का रास्ता इसी अंचल से गुजरता है। मप्र की राजनीति में यह अभूतपूर्व संयोग है कि अब राज्य का मुख्यमंत्री, एक उप मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष भी मालवा अंचल से ही है। यानी मालवा अब प्रदेश की राजनीतिक महाभारत का नया कुरुक्षेत्र है। जो मालवा पर काबिज होगा, वह भोपाल में सत्तासीन होगा। मध्यप्रदेश में लोकसभा की 29 सीटें हैं। इनमें से 8 अकेले मालवा से हैं और इसी क्षेत्र में विधानसभा की 50 सीटें हैं। इनमें अगर निमाड़ को भी जोड़ लिया जाए तो ये संख्या लोकसभा की 10 और विधानसभा की 66 सीटें होती हैं। इस बार बीजेपी ने 66 में से 48 सीटों पर जीत हासिल कर कांग्रेस को बहुत पीछे ठेल दिया है। भाजपा ने अपना नया मुख्यमंत्री जिन डॉ. मोहन यादव को बनाया है, वो मालवा के उज्जैन दक्षिण विधानसभा सीट से विधायक हैं और ओबीसी चेहरा हैं। जबकि उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा मालवा के ही मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ सीट से विधायक हैं। इसके पीछे संदेश राज्य और राज्य से बाहर भी ओबीसी और आदिवासी समीकरण को साधना है। यही कारण है कि कांग्रेस में नेतृत्व का जो पीढ़ी परिवर्तन हुआ है, वह मालवा को ध्यान में रखकर ही हुआ है। इसमें जातिगत समीकरण भी साधा गया है। नए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ओबीसी से हैं तो उमंग सिंघार आदिवासी हैं। इस बदलाव के साथ ही कांग्रेस आला कमान ने राज्य में कांग्रेस के दो पुराने दिग्गज चेहरों

मप्र की राजनीति में यह अभूतपूर्व संयोग है कि अब राज्य का मुख्यमंत्री, एक उप मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष भी मालवा अंचल से ही है। जहां तक भाजपा का सवाल है तो वह पहले भी दूसरे राज्यों में ऐसा करती रही है और अपने मजबूत संगठनात्मक ढांचे के दम पर इस प्रयोग को (कुछ अपवादों को छोड़ दें तो) सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचाती रही है। वहां बगावत की गुंजाइश ज्यादा नहीं होती। कार्यकर्ता आलाकमान के फैसले को सिर आंखों पर रखकर चलता है। इसलिए ऐसे जोखिम ज्यादातर सफल दांव में बदल जाते हैं। मप्र में नए सीएम डॉ. मोहन यादव आला कमान की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरेंगे, यह अभी देखने की बात है। पर उन्होंने पद संभालते ही टी 20 की तर्ज पर बैटिंग करने का संकेत दे दिया है। जानकारों का मानना है कि भाजपा ने मोहन यादव पर दांव मप्र की ओबीसी राजनीति कम आगामी लोकसभा चुनाव में यूपी और बिहार में यादव वोट बैंक में सेंध लगाने के उद्देश्य से किया है।

कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को रिटायरमेंट का साफ संदेश दे दिया है, जबकि भाजपा में यह संदेश थोड़ा अलग ढंग से दिया गया है। अलबत्ता राज्य में भाजपा के कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल जैसे सीएम पद के प्रबल दावेदार नेताओं को संदेश दिया गया है कि उन्हें मुख्यधारा से अभी बाहर नहीं किया गया है, यही काफी है। मप्र की राजनीति में यह अभूतपूर्व संयोग है कि अब राज्य का मुख्यमंत्री, एक उप मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष भी मालवा अंचल से ही है। जहां तक भाजपा का सवाल है तो वह पहले भी दूसरे राज्यों में ऐसा करती रही है और अपने मजबूत संगठनात्मक ढांचे के दम पर इस प्रयोग को (कुछ अपवादों को छोड़ दें तो) सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचाती रही है। वहां बगावत की गुंजाइश ज्यादा नहीं होती। कार्यकर्ता आलाकमान के फैसले को सिर आंखों पर रखकर चलता है। इसलिए ऐसे जोखिम ज्यादातर सफल दांव में बदल जाते हैं। मप्र में नए सीएम डॉ. मोहन यादव आला कमान की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरेंगे, यह अभी देखने की बात है। पर उन्होंने पद संभालते ही टी 20 की तर्ज पर बैटिंग करने का संकेत दे दिया है। जानकारों का मानना है कि भाजपा ने मोहन यादव पर दांव मप्र की ओबीसी राजनीति कम आगामी लोकसभा चुनाव में यूपी और बिहार में यादव वोट बैंक में सेंध लगाने के उद्देश्य से किया है। मोहन यादव यह काम कितना कर पाएंगे, इसी से उनका राजनीतिक भविष्य तय होने की संभावना ज्यादा है। अगर वो नाकाम रहे तो भाजपा के पास रिजर्व में दूसरे अनुभवी खिलाड़ी हैं ही। वैसे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पद संभालते ही दो अहम संदेश देने की कोशिश की है, एक तो वो कट्टर हिंदुत्व की राह चलेंगे, दूसरा विज्ञान का विद्यार्थी होने के नाते वो अंधविश्वासी नहीं हैं। उम्मीद की जा सकती है कि मोहन राज में अंध श्रद्धा की बजाए तार्किक और प्रगतिशील हिंदुत्व को ज्यादा महत्व मिलेगा। जहां तक मप्र में जातीय समीकरण साधने की बात है तो मोहन यादव का चेहरा इसलिए भी चौंकाने वाला था, क्योंकि राज्य में यादवों की संख्या अन्य दूसरी ओबीसी जातियां जैसे कि लोधी, कुर्मी, गूजर आदि की तुलना में कम है और यादव किसी एक पॉकेट में केन्द्रित होने के बजाए पूरे राज्य में फैले हैं। कुल मिलाकर भाजपा ने मोहन यादव के बहाने पड़ोसी राज्यों का जातीय समीकरण साधने का राजनीतिक योगासन किया है। जहां तक पीढ़ी परिवर्तन की बात है तो मप्र कांग्रेस में भी वह आलाकमान के निर्देश पर ही हुआ है। माना जा रहा है कि अब पार्टी की कमान परोक्ष रूप से राहुल गांधी पूरी तरह अपने हाथ में ले रहे हैं और राज्य में नए चेहरे उन्हीं की पसंद हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि पार्टी के पुराने दिग्गजों को अब रिटायरमेंट का सिग्नल दे दिया गया है और संगठन में टीम राहुल अब अपने ढंग से आकार लेने लगी है। लेकिन कांग्रेस में अहम सवाल यह है कि अगर इन नए चेहरों को पुराने दिग्गजों का साथ न मिला या भीतरघात की सियासत जारी रही तो ये टीम कैसे परफॉर्म कर पाएगी? पहले से ही गुटबाजी और अंतर्कलह से जूझ रही कांग्रेस में मनभेदों के खाने ज्यादा कुलबुलाने नहीं लगेंगे? वैसे भी कांग्रेस में इस बदलाव का खास असर लोकसभा चुनाव में दिखने की संभावना बहुत कम है। अलबत्ता इसका प्रभाव अगले विधानसभा चुनाव में जरूर दिख सकता है क्योंकि तब तक कांग्रेस में युवा चेहरों की नई टीम तैयार हो सकने की उम्मीद है। बहरहाल अब मालवांचल मप्र की राजनीति का नया कुरुक्षेत्र है, जहां से सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनो की रणनीतियों का संचालन होना है। यहां हो रहे राजनीतिक प्रयोगों की गूंज राष्ट्रीय स्तर भी सुनाई देने की संभावना है। मालवा को ये महत्व अर्से बाद मिला है। फर्क यह है कि कभी कांग्रेस का गढ़ रहा मालवा बीते पांच दशकों से भगवा किले में तब्दील हो चुका है। मप्र की राजनीति में यह अभूतपूर्व संयोग है कि अब राज्य का मुख्यमंत्री, एक उप मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष भी मालवा अंचल से ही है। जहां तक भाजपा का सवाल है तो वह पहले भी दूसरे राज्यों में ऐसा करती रही है और अपने मजबूत संगठनात्मक ढांचे के दम पर इस प्रयोग को (कुछ अपवादों को छोड़ दें तो) सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचाती रही है। वहां बगावत की गुंजाइश ज्यादा नहीं होती। कार्यकर्ता आलाकमान के फैसले को सिर आंखों पर रखकर चलता है। इसलिए ऐसे जोखिम ज्यादातर सफल दांव में बदल जाते हैं। मप्र में नए सीएम डॉ. मोहन यादव का कितना खरा उतरेंगे, यह अभी देखने की बात है। पर उन्होंने पद संभालते ही टी 20 की तर्ज पर बैटिंग करने का संकेत दे दिया है। जानकारों का मानना है कि भाजपा ने मोहन यादव पर दांव मप्र की ओबीसी राजनीति कम आगामी लोकसभा चुनाव में यूपी और बिहार में यादव वोट बैंक में सेंध लगाने के उद्देश्य से किया है। मोहन यादव यह काम कितना कर पाएंगे, इसी से उनका राजनीतिक भविष्य तय होने की संभावना ज्यादा है। अगर वो नाकाम रहे तो भाजपा के पास रिजर्व में दूसरे अनुभवी खिलाड़ी हैं ही। वैसे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पद संभालते ही दो अहम संदेश देने की कोशिश की है, एक तो वो कट्टर हिंदुत्व की राह चलेंगे, दूसरा विज्ञान का विद्यार्थी होने के नाते वो अंधविश्वासी नहीं हैं। उम्मीद की जा सकती है कि मोहन राज में अंध श्रद्धा की बजाए तार्किक और प्रगतिशील हिंदुत्व को ज्यादा महत्व मिलेगा। जहां तक मप्र में जातीय समीकरण साधने की बात है तो मोहन यादव का चेहरा इसलिए भी चौंकाने वाला था,।

# परिंदों के प्रति कितना संवेदनशील है हमारा समाज और सरकार

वैश्विक स्तर पर, पर्यावरणीय मुद्दों के कारण पक्षी प्रजातियों की आबादी में भारी गिरावट आई है। श्स्टेट ऑफ द वर्ल्ड बर्ड्स–2022श की रिपोर्ट के अनुसार, सभी पक्षी प्रजातियों में से लगभग आधी प्रजातियों में गिरावट आई है, आठ में से एक से अधिक प्रजाति के विलुप्त होने का खतरा है। स्टेट ऑफ द इंडियाज बर्ड्स–2023 रिपोर्ट के अनुसार, हमारे देश में पक्षियों की 178 प्रजातियों के संरक्षण के लिए तत्काल उच्च प्राथमिकता, 323 प्रजातियों को मध्यम प्राथमिकता और 441 को निम्न प्राथमिकता की आवश्यकता है। गौरतलब है कि पर्यावरण पर मानवजनित दबाव, जैसे कि कृषि विस्तार और गहनता, अस्थिर कटाई, आक्रामक विदेशी प्रजातियां, और जलवायु परिवर्तन और शिकार के चलते दुनिया भर के पक्षियों की स्थिति लगातार खराब हो रही है।

क्षमा शर्मा

जापान के टोक्यो शहर में पचास साल का एक टैक्सी ड्राइवर आतुशी ओजावा टैक्सी चला रहा था। अचानक उसे सड़क पर कबूतरों का झुंड दिखाई दिया और उसने झुंड पर टैक्सी चढ़ा दी। नतीजतन एक कबूतर की मौत हो गई। मृत कबूतर का पोस्टमार्टम किया गया और ओजावा का अपराध सिद्ध हो गया। जापान के पशु रक्षा अधिनियम के तहत उसे जेल की सजा मिली। कबूतर को रौंदने का कारण पूछने पर उस ड्राइवर ने बताया कि वह मानता है कि सड़कें सिर्फ मनुष्यों के लिए हैं। पशु–पक्षियों को उनसे दूर रहना चाहिए। ओजावा के कथन से मनुष्यों के उस अहंकार की झलक मिलती है, जिसके कारण वह धरती, आसमान और सभी संसाधनों पर अपना अधिकार जमाता है। यदि मनुष्यों को जीने का अधिकार है, तो दूसरी प्रजातियों को भी जीने का उतना ही अधिकार है। वैश्विक स्तर पर, पर्यावरणीय मुद्दों के कारण पक्षी प्रजातियों की आबादी में भारी गिरावट आई है। श्स्टेट ऑफ द वर्ल्ड बर्ड्स–2022श की रिपोर्ट के अनुसार, सभी पक्षी प्रजातियों में से लगभग आधी प्रजातियों में गिरावट आई है, आठ में से एक से अधिक प्रजाति के विलुप्त होने का खतरा है। स्टेट ऑफ द इंडियाज बर्ड्स–2023 रिपोर्ट के अनुसार, हमारे देश में पक्षियों की 178 प्रजातियों के संरक्षण के लिए तत्काल उच्च प्राथमिकता, 323 प्रजातियों को मध्यम प्राथमिकता और 441 को निम्न प्राथमिकता की आवश्यकता है। गौरतलब है कि पर्यावरण पर मानवजनित दबाव, जैसे कि कृषि विस्तार और गहनता, अस्थिर कटाई, आक्रामक विदेशी प्रजातियां, और जलवायु परिवर्तन और शिकार के चलते दुनिया भर के पक्षियों की स्थिति लगातार खराब हो रही है। भारत पक्षियों की 1,350 से अधिक प्रजातियों का घर है। हमारी संस्कृति में पक्षियों का काफी महत्व रहा है। धर्मग्रंथों में विभिन्न पक्षियों को देवी–देवताओं के वाहन के रूप में वर्णित किया गया है।

कोयल, मोर, पपीहा, चातक, चकोर, उल्लू, हंस आदि विभिन्न पक्षी प्रजातियों के जिक्र से हमारा साहित्य अटा पड़ा है। पक्षी कीड़े–मकोड़ों को खाकर फसलों को नष्ट होने से बचाते हैं। हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर है, और हर प्रदेश का एक राजकीय पक्षी और पशु भी है, मगर इनके प्रति हमारी संवेदनशीलता में कमी दिखती है। पक्षियों की अनेक प्रजातियों की संख्या में गिरावट से न केवल जैव–विविधता के लिए संकट पैदा हो गया है, बल्कि मनुष्य का जीवन भी प्रभावित हो रहा है। गौरैया हमारे घर–आंगन में पाई जाती थीं और हमारे घरों में ही घोंसले बनाती थीं। घर–आंगन में बिखरे अन्न के दाने खाकर उनका पेट भर जाता था। लेकिन अब सीमेंट–कंकरीट के घर में गौरैयों के घोंसले के लिए कोई जगह नहीं बची है। बढ़ते मोबाइल टावरों के रेडिएशन से भी पक्षियों की प्रजातियों को नुकसान पहुंचा है। यही नहीं, पतंगबाजी में चीनी मांझे के बढ़ते प्रचलन से भी पक्षी घायल होते और बेमौत मारे जाते हैं। बढ़ती हवाई यात्राओं के कारण भी पक्षियों की जान जाती है। इसके साथ–साथ कीटनाशक भी पक्षियों के बहुत बड़े दुश्मन हैं। कीटनाशकों के कारण इनकी जान तो जाती ही है, अगर जीवित भी रहे, तो इनकी प्रजनन क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। हमारे देश के अनेक समुदायों में पक्षियों के शिकार की कुप्रथा अमानवीय क्रूरता है, जिसे सख्ती और जागरूकता से ही खत्म किया जा सकता है। हालांकि सरकारों, पक्षी प्रेमियों और धर्मार्थ संस्थाओं की तरफ से पक्षियों के संरक्षण के लिए विभिन्न प्रयास किए जाते हैं, लेकिन सिर्फ इतने से ही काम नहीं चलने वाला है। आम लोगों में पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता और पक्षियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी है। पतंगबाजी के मौसम में दिल्ली के चांदनी चौक के जैन अस्पताल में बहुत से घायल पक्षी लाए जाते हैं। भला हो उन दयालु लोगों का जो इन घायल पक्षियों को अस्पताल पहुंचाते हैं। कल्पना कीजिए कि यदि हमारे आस–पास पक्षी न हों, तो दुनिया कितनी बेरंग और बदसूरत लगेगी, जहां उनकी चहचहाहट, मधुर आवाज और उनके विविध आकर्षक रंग न हों। चीन में एक जमाने में पक्षियों को इस कारण नष्ट किया जाने लगा कि वे अनाज खा जाते हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि भारी संख्या में कीड़े–मकोड़े पैदा हुए और अनाज को नष्ट करने लगे। दरअसल प्रकृति की जो एक शृंखला है, उसमें हर एक जीव की हिस्सेदारी है। वैश्विक स्तर पर, पर्यावरणीय मुद्दों के कारण पक्षी प्रजातियों की आबादी में भारी गिरावट आई है। श्स्टेट ऑफ द वर्ल्ड बर्ड्स–2022श की रिपोर्ट के अनुसार, सभी पक्षी प्रजातियों में से लगभग आधी प्रजातियों में गिरावट आई है, आठ में से एक से अधिक प्रजाति के विलुप्त होने का खतरा है।

## लक्ष्य प्राप्ति की अडिग आकांक्षा ने बालक ध्रुव को बना दिया तारा

मनु और शतरूपा के ज्येष्ठ पुत्र प्रियव्रत ने जब राज–पाट में रुचि नहीं दिखाई तो मनु ने अपने छोटे पुत्र उत्तानपाद को पृथ्वी का राज्य सौंप दिया। उत्तानपाद की दो पत्नियां थीं – सुरुचि और सुनीति। सुरुचि के पुत्र का नाम उत्तम और सुनीति के पुत्र का नाम ध्रुव था। सुरुचि अधिक सुंदर थी इसलिए उत्तानपाद उससे अधिक प्रेम करते थे। इसका प्रभाव उनके बच्चों पर पड़ा। राजा, उत्तम की अधिक देखभाल करते थे। एक दिन बालक ध्रुव दरबार में आया तो उसने देखा कि उत्तम, अपने पिता उत्तानपाद की गोद में खेल रहा था। ध्रुव के मन में भी पिता की गोद मैं बैठने की इच्छा हुई। वह सिंहासन की ओर बढ़ने लगा कि तभी सुरुचि ने उसे रोक दिया और बोली, 'तुम उस सिंहासन तक पहुंचने के योग्य नहीं हो। श्रेष्ठ स्थान हर किसी के लिए नहीं होता। पहले उसके योग्य बनो।' ध्रुव ने अपने पिता की ओर देखा लेकिन उत्तानपाद चुप बैठे रहे। अपमान और दुख से भरा ध्रुव रोता हुआ अपनी मां के पास पहुंचा और उसने सुनीति को पूरी घटना बताई। सुनीति जानती थी कि उत्तानपाद, सुरुचि के समक्ष विवश थे। उसने ध्रुव से कहा, 'पुत्र, यही हमारा भाग्य है। इसे स्वीकार कर लो।' किंतु हमारे दुख का कारण क्या है?' बालक ध्रुव ने पूछा।'सब कुछ भगवान विष्णु की इच्छा से होता है। वह जिस पर प्रसन्न होते हैं उसे आशीर्वाद देते हैं। उन्हीं के आशीर्वाद से सुख और शांति संभव है।' सुनीति ने ध्रुव को समझाया। 'विष्णु प्रसन्न कैसे होते हैं?' ध्रुव ने प्रश्न किया। 'तपस्या से! सच्चे मन से उनकी आराधना की जाए तो भगवान अवश्य प्रसन्न होते हैं और फिर हम जो चाहें हमें वह मिल सकता है।' यह सुनते ही ध्रुव घर छोड़कर वन में तपस्या के लिए निकल पड़ा। सुनीति ने बालक ध्रुव को रोकने का बहुत प्रयास किया किंतु ध्रुव ने बात नहीं मानी। ध्रुव का अर्थ ही होता है – जो अडिग हो! वन में ध्रुव एक शांत जगह पर बैठकर ध्यान करने लगा। काफी समय बीत गया किंतु विष्णु ने दर्शन नहीं दिए। ध्रुव को थकान होने लगी थी लेकिन तपस्या जारी रही। फिर एक दिन उसे किसी का स्वर सुनाई पड़ा। उसने आंखें खोलीं तो सामने देवर्षि नारद खड़े थे। ध्रुव ने नारद को प्रणाम किया। ऋषि ने ध्रुव से कहा, 'तुम अपने नाम की भांति अडिग हो। परंतु भगवान विष्णु की कृपा चाहिए तो सही मंत्र का उच्चारण करना आवश्यक है। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय इस मंत्र का उच्चारण करो।" यह कहकर नारद अंतर्धान हो गए। नारद के जाने के बाद ध्रुव ने मंत्रोच्चारण के साथ विष्णु की उपासना आरंभ कर दी। मंत्र के प्रभाव से ध्रुव के भीतर अद्भुत ऊर्जा का संचार होने लगा, उसकी थकान दूर हो गई और उसका रोम–रोम विष्णु नाम से स्पंदित हो उठा। ध्रुव की तपस्या और प्रचंड हुई तो उसकी गूंज से देवलोक कांपने लगा। उसकी आराधना को भंग करने के अनेक प्रयास किए गए किंतु ध्रुव टस से मस नहीं हुआ। आखिर भगवान विष्णु ने ध्रुव को दर्शन दिए। 'ध्रुव!' विष्णु ने कहा, "मैं तुमसे प्रसन्न हूं। बोलो, क्या चाहिए?' विष्णु का अलौकिक रूप देखकर ध्रुव पुलकित हो गया। भगवान के दर्शन ने उसकी समस्त इच्छाओं को पूरा कर दिया था। विष्णु ने फिर पूछा, 'बोलो ध्रुव, तुम्हें क्या चाहिए?' ध्रुव ने मन में सोचा, 'यदि भगवान विष्णु मुझसे प्रसन्न हैं तो उनसे कोई क्षणभंगुर वस्तु क्यों मांगू? मैं उनसे कोई स्थायी वस्तु प्रदान करने को कहूंगाय एक ऐसा वरदान, जो किसी और के लिए प्राप्त करना लगभग असंभव हो।' तभी ध्रुव को सुरुचि के शब्द याद आए रू श्रेष्ठ स्थान हर किसी के लिए नहीं होता। पहले उसके योग्य बनो।' 'मुझे सर्वश्रेष्ठ स्थान चाहिए!' ध्रुव ने कहा। 'कोई ऐसा स्थान, जिसके सामने संसार के अन्य सभी स्थान तुच्छ हो जाएं।' 'तथास्तु!' विष्णु ने मुसकराकर कहा। 'मैं तुम्हें ब्रह्मांड का सर्वोच्च स्थान प्रदान करता हूं। तुम अनंत काल तक आकाश का सबसे दीप्तिमान तारा बनकर प्रकाशित होते रहोगे। तुम मानव जाति को अंधकार में मार्ग दिखाओगे।' इस तरह भगवान विष्णु से वरदान पाकर बालक ध्रुव, तारा बन गया जो आज पूरे संसार का पथ–प्रदर्शन करता है। ध्रुव के मन में भी पिता की गोद में बैठने की इच्छा हुई। वह सिंहासन की ओर बढ़ने लगा कि तभी सुरुचि ने उसे रोक दिया और बोली, 'तुम उस सिंहासन तक पहुंचने के योग्य नहीं हो। श्रेष्ठ स्थान हर किसी के लिए नहीं होता। पहले उसके योग्य बनो।' ध्रुव ने अपने पिता की ओर देखा लेकिन उत्तानपाद चुप बैठे रहे। अपमान और दुख से भरा ध्रुव रोता हुआ अपनी मां के पास पहुंचा और उसने सुनीति को पूरी घटना बताई।

# देश के अच्छे विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल हो पीयू: कुलपति

## ए प्लस पाने से हमारी जिम्मेदारी और बढ़ी: कुलसचिव

## ए प्लस पर कुलपति ने विश्वविद्यालय परिवार के प्रति आभार जताया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेधनाथ संगोष्ठी भवन में बुधवार को विश्वविद्यालय को नैक मूल्यांकन में ए प्लस मिलने पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी के साथ संवाद किया।

इस अवसर पर प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों में टीम वर्क करने की बहुत अधिक क्षमता है। एक नई यात्रा की अब यहां से शुरू हो रही है। हमें आने वाले समय में अपने एकेडमिक, रिसर्च, इनोवेशन पर बहुत ज्यादा जोर देना है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी कमियां पहचानकर ज्यादा जोर देने की जरूरत है। सभी के सहयोग ने विश्वविद्यालय इस ऊंचाइयों पर आया है। हमारी कोशिश होगी कि हम प्रदेश ही नहीं देश के अच्छे विश्वविद्यालय के साथ खड़े हों। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय उन्हें कही से कुछ ऐसा मौका नहीं दिया कि वह हमारे ग्रेड को गिरा सके। कहा कि हमारा सभी पक्षों का इतना मजबूत और बढ़िया प्रस्तुतीकरण था जिसके कारण हम इस मुकाम पर पहुंचे हैं। अब हमारी जिम्मेदारी और बढ़ गई है क्योंकि हमे और आगे जाना है। आईक्यूएसी सेल के समन्वयक प्रो. मानस पांडेय ने नैक की सातों क्रैटिरिया के मूल्यांकन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि राजभवन के मार्गदर्शन और सहयोग के चलते हमें अपनी गुणवत्ता को सुधारने का मौका मिला। कहा कि विश्वविद्यालय के सभी लोगों के सकारात्मक सहयोग से हम इस मुकाम पर पहुंचे हैं। बार– बार राजभवन की ओर से बुलाकर समीक्षा करने और नैक मंथन में शामिल होने से हमे अच्छा अनुभव मिला। इस कारण हम ए प्लस की ओर बढ़ें। मंचासीन वित्त अधिकारी संजय राय और परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। संचालन डॉ धर्मेंद्र सिंह और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. देवराज सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. वंदना राय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अविनाश पाथार्डिकर, प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो.रजनीश भास्कर, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार यादव, डॉ राजकुमार, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. संजीव गंगवार, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. गिरधर मिश्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. श्याम कन्हैया, आलोक वर्मा, डॉ पुनीत धावन, डॉ. शशिकांत यादव, सहायक कुलसचिव अजीत सिंह, कर्मचारी संघ अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह, महामंत्री रमेश यादव, डॉ पीके कौशिक, राधेश्याम सिंह मुन्ना, श्यामजी त्रिपाठी, प्रमोद विश्वकर्मा, आदि शिक्षक और कर्मचारी शामिल थे।

# कई घंटे बीत जाने के बाद भी युवक का नहीं लगा सुराग

## थाना पाली के बारी गांव की घटना

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' आपको बता दे कि मंगलवार शाम 5 बजे के आस पास श्याम जी मिश्रा पुत्र नन्हें मिश्रा निवासी ग्राम बारी थाना पाली जनपद हरदोई अपनी रेडीमेड की दुकान पर से रोज की तरह दुकान बंद करके अपने गांव अपनी मोटरसाइकिल से वापस आ रहा था तभी गांव के 200 मीटर पीछे ग्राम बारी और ग्राम किलकिली के मध्य में किसी अज्ञात चौपहिया वाहन ने श्याम जी की बाइक में पीछे से हल्की टक्कर मार दी जिससे श्याम जी अपनी मोटर साईकिल से नीचे गिर गया। ग्रामीणों के मुताबिक गाड़ी सवार लोगों ने श्याम जी को उठा कर अपनी गाड़ी में डाल लिया। जब तक ग्रामीण वहां पर पहुंचे, तब तक वे श्याम जी मिश्रा को लेकर मौके से फरार हो गये। ग्रामीणों ने बताया कि घटना स्थल पर से श्याम जी की मोटर साईकिल एक जूता और चश्मा मौके से मिला है। ग्रामीणों के मुताबिक अपहरण की आशंका जताई जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय को जैसे ही घटना की सूचना मिली वे तुरंत पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और तुरंत मौका ए बारदात ग्रामीणों से पूँछतांछ कर छानबीन शुरू कर दी। थाना प्रभारी ने बताया है कि हरदोई जिले की सभी टीमें श्याम जी मिश्रा को ढूंढने में लगा दिया गया है और बहुत जल्द घटना का खुलासा करके अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जायेगा।

# दैवीय आपदा के मामले में तत्काल घटना स्थल पर जाकर जाँच की जाए:- एम०पी० सिंह

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। आज रसखान प्रेक्षागृह में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हरदोई व उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित ग्राम पंचायत एवं स्कूलकॉलेज स्तरीय विभिन्न आपदाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी प्रतिभागी अनिवार्य रूप से प्रतिभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान दैवीय आपदा से बचाव के तरीकों के बारे में बताया जाएगा। वर्तमान में कृषक दुर्घटना योजना में कोई भी मामला लंबित नही है। गरीब परिवार के कमाऊ सदस्य की मृत्यु होने पर शासनादेश के अनुरूप सरकार की योजनाओं से उस परिवार को आच्छादित करवाने का प्रयास किया जाए। दैवीय आपदा के मामले में तत्काल घटना स्थल पर जाकर जाँच की जाए। फसल के नुकसान के मामले में नुकसान का आंकलन सही से किया जाए। पात्रता के अनुसार लाभ दिलाने का प्रयास किया जाए। शासनादेशों का भलीभांति अध्ययन किया जाए। प्रत्येक कार्यशाला से कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है। सीखने की कोई उम्र नही होती। अपने ज्ञान को कार्य व व्यवहार में उतारने का प्रयास करें। जिलाधिकारी ने फीता काटकर दैवीय आपदा पर आधारित प्रदर्शित प्रदर्शनी का उदघाटन किया। उन्होंने कुछ प्रतिभागियों को अपने हाथों से प्रशिक्षण किट प्रदान की। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# उच्च स्तरीय शोध के लिए अकादमिक-औद्योगिक सहयोग जरूरी : डॉ आशुतोष तिवारी

## स्वीडन के वैज्ञानिक डा. आशुतोष ने रज्जू भइया संस्थान में शोध सुविधाओं को देखा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मटेरियल, स्वीडन के निदेशक डा. आशुतोष तिवारी ने बुधवार को कुलपति प्रो वंदना सिंह के साथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भइया संस्थान का अवलोकन कर सुविधाओं को देखा। उन्होंने संस्थान में स्थित स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप एवं एक्स आर डी मशीनों के बारे में जानकारी ली एवं उनके माध्यम से हो रहे शोध कार्यों के बारे में संस्थान के निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार यादव से विस्तार से चर्चा कर आवश्यक सुझाव दिए।

उन्होंने कहा कि संस्थान में शोध हेतु सुविधाओं की कमी नहीं है उनके उपयोग एवं प्रचार प्रसार को बढ़ावा देने जिससे ज्यादा से ज्यादा लाभ विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थी प्राप्त कर सकें । उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में भी शोध को बढ़ावा देने पर विशेष बल देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में एकेडमिक –इंडस्ट्री में परस्पर सहयोगात्मक भावना से कार्य करने की आवश्यकता है जिसका लाभ जन सामान्य व भारत के उन्नयन में सहायक होगा। उन्होंने जनसंचार विभाग के ऑडियो विजुअल स्टूडियो को भी देखा.

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि देश विदेश के अग्रणी संस्थानों से परस्पर सहयोग बढ़ाने की दिशा में संस्थान को कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छे इंपैक्ट फैक्टर में शोध पत्र प्रकाशित करने के साथ ही शिक्षकों को पेटेंट पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर रज्जू भैया संस्थान के शिक्षकों ने नैक द्वारा विश्वविद्यालय को ए प्लस ग्रेड प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह को बधाई दी।

इस अवसर पर प्रो. बी. बी. तिवारी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. वंदना राय, प्रो देवराज सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. गिरिधर मिश्र, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ मिथिलेश यादव, डॉ नीरज अवस्थी, डॉ सुजीत चौरसिया, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. अजीत सिंह, डॉ शशिकांत यादव, डॉ श्रवण कुमार, डॉ काजल डे, आदि उपस्थित रहे।

# राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा में श्रद्धालुओं को न हो कठिनाई - महापौर

## तैयारी को लेकर जोर शोर से जुटा नगर निगम प्रशासन

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) 22 जनवरी 2024 को राम लला के प्राण प्रतिष्ठा में भाग लेने आने वाले किसी भी अतिथियों को किसी भी कठिनाइयों का सामना न उठाना पड़े इसके लिए नगर निगम जोर शोर से तैयारियों में जुटा हुआ है।यह जानकारी मंगलवार को सर्किट हाउस स्थित सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में अयोध्या महानगर महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने दिया।उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा में आने वाले संत महात्मा व अन्य अतिथि को इस तरह की सुविधा मिले जिससे संतुष्ट होकर वे यहां का गुणगान अन्य जगहों पर करें। उन्होंने बताया कि उस समय समूचे राम नगरी को स्वच्छ, पालीथिन से मुक्त,खुले नालियों से मुक्त,जगह जगह पर प्रकाश की व्यवस्था, मोबाइल टायलेट, महिलाओं के लिए घाटों पर कपड़ा बदलने के लिए चेकिंग रुम, सौंदर्यीकरण,खुली नालियों से निजात, रहने की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं को लेकर रणनीति बनाई जा रही है।महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशानुरूप 22 जनवरी 2024 को आयोजित प्राण प्रतिष्ठा को एतिहासिक बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा जा रहा है।उन्होंने बताया कि अयोध्या धाम में क्षतिग्रस्त सड़कों में आठ नवीन सड़कों व 25 सड़कों का सौंदर्यीकरण 2362.58 लाख की लागत से कराया जा रहा है। वही इसके निकट 32 संपर्क मार्गो का सौंदर्यीकरण 1997. 66 लाख की लागत से कराया जा रहा है।इसी तरह 241.61 लाख की लागत से जल भराव से निजात दिलाने के लिए 5 नालो का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।1014.51 लाख की लागत से खुली नालियों को आरसीसी पिट कबर के माध्यम से नालियों को ढकने व नालियों का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है।उन्होंने बताया कि राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ जलापूर्ति उपलब्ध कराने हेतु अयोध्या धाम के प्रमुख स्थानों पर 296.63 लाख की लागत से 22 वाटर कियोस्क व 50 टैंक टाइप स्टैंड की स्थापित कराना,वही इस मौके पर 188.65 लाख की लागत से राम नगरी में लगातार जलापूर्ति के सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उस दौरान सफाई व्यवस्था लेकर को दस सेक्टर में विभाजित कर पन्द्रह सौ सफाई मित्र को आगामी छः माह के लिए रखा जाएगा।इसके अलावा 1000 स्थाई टायलेट,500 सौ अस्थाई टायलेट,30 मोबाइल टायलेट, कूड़े के निस्तारण हेतु पांच एम आर एफ सेंटर,50 मेला सारथी, ठंड से बचाव हेतु तीस स्थानों पर गैस हीटर,एक लाख झोले का वितरण किया जाएगा।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई गोवंश संरक्षण की समन्वित बैठक सम्पन्न

## गोवंश संरक्षण में लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित की जायेगी:-डीएम

## कंट्रोल रूम नंबर सभी ग्राम पंचायत व नगर निकाय के सार्वजनिक स्थानों पर लिखाया जाए:-एम0पी0 सिंह

ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

'हरदोई' विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में आज जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में निराश्रित गोवंश के संरक्षण के संबंध में बैठक हुई। बैठक में किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने गोवंश की अधिक संख्या वाले क्षेत्रों के बारे में बताया। जिलाधिकारी ने संबंधित पशु चिकित्सा अधिकारी व खण्ड विकास अधिकारी को कार्ययोजना बनाकर गोवंश संरक्षण का कार्य कराने के निर्देश दिए। लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित की जायेगी। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन गोशालाओं का निर्माण कार्य जल्द पूरा कर गोवंश को संरक्षित किया जाए। नई गोशालाओं के लिए भूमि चिन्हीकरण का कार्य किया जाए। निजी पशुओं को छोड़ने वाले लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करायी जाए। लोगों को जागरूक किया जाए। ईयर टैगिंग का कार्य तेजी से कराया जाए। अधिक समस्या वाले क्षेत्र को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए। नर गोवंश के लिए पृथक गोशालाओं का निर्माण कराया जाए। गोवंश संरक्षण, खाद व बीज की उपलब्धता तथा किसानों की बिजली की समस्या को लेकर प्रत्येक बुधवार को स्थानीय किसानों के साथ बैठक की जाए। सार्वजनिक अवकाश होने पर अगले कार्य दिवस पर बैठक की जाए। उन्होंने बताया कि निराश्रित गोवंश संरक्षण के लिए सूचना कंट्रोल रूम नम्बर 05852–796197, 232527 (लैंडलाइन), 8765957923 (मोबाइल) पर कॉल की जा सकती है। यह नंबर 24 घण्टे सक्रिय रहेंगे। कंट्रोल नम्बर पर प्राप्त सूचनाओं को गूगल शीट पर दर्ज किया जाए। प्राप्त सूचनाओं को संबंधित विकास खण्ड को भेजा जाए। पशु चिकित्सा अधिकारी 24 घंटे अपना मोबाइल ऑन रखेंगे। कंट्रोल रूम का नंबर प्रत्येक ग्राम पंचायत व नगर निकाय में सार्वजनिक स्थान पर लिखवाया जाए। उन्होंने कहा कि गोशालाओं का लम्बित भुगतान जल्द कराया जाए। देरी होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, किसान प्रतिनिधि व संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# अपने बच्चों को रखे जंक फूड से दूर - दिनेश चंद्र श्रीवास्तव

## शहर के अमानीगंज स्थित न्यूट्रिशन क्लब की बैठक सम्पन्न

अयोध्या। मंगलवार को शहर के अमानीगंज स्थित न्यूट्रिशन क्लब में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस मौके पर एक्टिव न्यूट्रिशन क्लब दिनेश चंद्र श्रीवास्तव ने वहां पर मौजूद लोगों से अपील किया कि आप सभी स्वयं व अपने बच्चों को जंक फूड से दूर रखे।इसकी जगह हर्बल लाइफ से उत्पादित शेक,व अन्य पेय पदार्थों का सेवन करें।इस मौके पर उन्होंने कहा कि भोजन से हमारी भूख मिटती है,जबकि हर्बल लाइफ से उत्पादित तत्व से हमारे शरीर को जरुरत मंद चीजो को पूर्ति होती है।इस मौके पर एक्टिव न्यूट्रिशन क्लब की अमिता श्रीवास्तव ने बताया कि हर्बल लाइफ से उत्पादित सभी पदार्थ चाहे वह पेय पदार्थ हो या फिर दवा। उसमें पर्याप्त मात्रा में विटामिन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट सहित अन्य प्रमुख पौष्टिक तत्व मौजूद रहते है।इसके सेवन से जहां एक ओर लोगों में मोटापा की कमी आती है।वही छोटे बच्चों में कुपोषण की कमी आती है।इस मौके पर कृतिका श्रीवास्तव, अश्वनी पाण्डेय, लक्ष्मी पाठक, राकेश कुमार, मुकेश कुमार, मनोज श्रीवास्तव, विवेक रमन, मनोज कुमार, अवनीश श्रीवास्तव सहित कई लोग उपस्थित रहे।

# केनरा बैंक मंडल कार्यालय लखनऊ में मेडिकल डिस्पेंसरी का उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सर्व मित्र भट्ट वरिष्ठ प्रबंधक अंचल कार्यालय लखनऊ ने बताया कि आदरणीय महाप्रबंधक और मंडल प्रमुख श्री आलोक कुमार अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में और डीजीएम श्री संजय कुमार, डीजीएम श्री लोक नाथ और अन्य साथी कार्यकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में, केनरा बैंक ने अपने अंचल कार्यालय भवन, गोमती नगर लखनऊ में भूतल पर स्थित अपनी डिस्पेंसरी का उद्घाटन किया है। डॉ. एस. एन. श्रीवास्तव को केनरा बैंक के पैनल डॉक्टर के रूप में नियुक्त किया गया है। डॉ. श्रीवास्तव श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल लखनऊ से डीन के पद से सेवानिवृत्त हैं और एक बाल विशेषज्ञ भी हैं, जो सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

# इस बार कोहरे की वजह से कैंसिल नहीं होंगी ये ट्रेनें

लखनऊ (संवाददाता)। करीब डेढ़ दशक से प्रतिवर्ष कोहरे में कैंसिल कर दी जाने वाली वाराणसी से देहरादून के बीच चलने वाली जनता एक्सप्रेस इस बार नहीं निरस्त की गई है। इससे ठंड में यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। पहाड़ पर बर्फबारी का आनंद लेने जाने वाले यात्रियों को इस बार ट्रेनों व सीटों के संकट से नहीं जूझना पड़ेगा।

# हर तरफ फैले धुंए में दिख रही थी सिर्फ मौत,तीमारदारों ने बयां किया आंखों देखा मंजर

लखनऊ (संवाददाता)। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में सोमवार दोपहर इंडोक्राइन सर्जरी के ऑपरेशन थियेटर (ओटी) में आग लग गई। इससे इंडोक्राइन सर्जरी के साथ ही बगल की ओटी में धुआं भर गया। इसे देखकर सर्जरी करा रही पीलीभीत की महिला व गाजीपुर के नवजात बच्चे को शिफ्ट किया जा रहा था कि दोनों ने दम तोड़ दिया। इस घटना बाद ओटी के भीतर कुछ शोर हुआ और इसके बाद भगदड़ मच गई। एक बार वहां से धुंआ बाहर निकलना शुरू हुआ तो पूरे ओटी कांप्लेक्स में भरता गया। जब तक कुछ समझ आता पूरे भवन में धुंआ ही धुंआ फैल गया था। चारों तरफ मौत के सिवाय कुछ नहीं दिखाई दे रहा था। ओटी कांप्लेक्स में मौजूद तीमारदारों ने कुछ इन्हीं शब्दों में घटना का मंजर बयां किया। एसजीपीजीआई का आंतरिक हिस्सा इस तरह से बना हुआ है की चारों तरफ से कांच की खिड़कियों से पैक है। इसकी वजह से धुआं तेजी से भवन में फैलने लगा। इससे परिसर में मौजूद लोग बेचौन होने लगे। धुंए को देखकर लोगों में भगदड़ मच गई जो लोग बगैर कुछ सोचे समझे बेतहाशा भागने लगे, उन लोगों के साथ ज्यादा दिक्कत हुई जिनके साथ मरीज भी थे उन्हें खुद भी भागना था और अपने मरीज को भी बाहर ले जाना था। धुंए से बचने के लिए लोगों ने खिड़कियों के शीशे तोड़ने शुरू कर दिए और कई जगह पर शीशे को तोड़कर धुएं को बाहर निकाला गया। इससे ओटी से बाहर वाले लोगों की जान तो बच गई, भीतर मौजूद दो लोगों को नहीं बचाया जा सका।

# अयोध्या महानगर में साफ सफाई को लेकर सुबह से डटे रहे अधिकारी व कर्मी

अयोध्या। 22 जनवरी 2024 को राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा को लेकर प्रशासन द्वारा कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है।प्राण प्रतिष्ठा के दौरान किसी भी तरह कमी नहीं रहे इस पर सूबे के मुख्यमंत्री योगी खुद आदित्यनाथ खुद अपनी निगाहें बना रखे हैं।गुरुवार को योगी आदित्यनाथ के राम नगरी में दौरे को लेकर नगर निगम प्रशासन बुधवार को सुबह से ही सक्रिय दिखाई दे रहा था।बुधवार को सुबह से ही शहर के कई भागों में नगर निगम प्रशासन के आलाधिकारी अपनी मौजूदगी में साफ सफाई कराते हुए दिखाई दे रहे थे। इस मौके पर सफाई कर्मी शहर के विभिन्न चौराहों व गली मुहल्लों में साफ सफाई कराते हुए दिखाई दिए। बताते चलें कि अगले वर्ष 22 जनवरी 2024 को राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा विश्व स्तर पर कार्यक्रम है। उसमें तो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो आ ही रहे हैं उनके अलावा और हजारों की संख्या में संत महात्मा,व देश के अन्य आमंत्रित अतिथि भारी संख्या में राम नगरी आ रहे हैं।वही संभावना जताई जा रही है कि इसी माह 30 दिसंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ सकतें हैं।इसी सभी के तैयारी को परखने के लिए गुरुवार को सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या आ रहे हैं।इस दौरान सब कुछ साफ सफाई को लेकर ओके मिले इसके लिए नगर निगम के कर्मियों को छोड़िए आलाधिकारी तक सुबह से ही अयोध्या महानगर के के प्रमुख चौराहों,मुहल्लों साफ सफाई को लेकर मुस्तैद दिखाई दे रहे थे।

# चित्रगुप्त मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दिन आयोजित होंगे कार्यक्रम - के सी श्रीवास्तव

अयोध्या।चित्रांश सेवा ट्रस्ट की बैठक के सी श्रीवास्तव की अध्यक्षता में चित्रगुप्त मंदिर प्रताप नगर (हैदरगंज)परिसर में सम्पन्न हुई।बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 22 जनवरी 2024 को राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा का दिन एक उत्सव के रूप में मनाया जायेगा।इस बैठक में के सी श्रीवास्तव ने बताया कि इस दिन पर चित्रगुप्त मंदिर प्रताप नगर (हैदरगंज) परिसर में श्री राम जय राम जय जय राम' नाम जप का

कीर्तन एवं सुंदरकांड के पाठ के साथ विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जायेगा।इस कार्यक्रम में अरविंद व्यास जी एवं उनके साथी कलाकार भाग लेंगे।मन्दिर में 21 जनवरी 2024 से दीपों की माला दीपदान का भी आयोजन किया गया।इस मौके पर चित्रांग सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी रमेश चंद्र श्रीवास्तव,पंकज अस्थाना, शैलेश कुमार श्रीवास्तव, विजय कुमार श्रीवास्तव, सुरेश चंद श्रीवास्तव, रमेश कुमार श्रीवास्तव एवं प्रज्ञा श्रीवास्तव ने प्रमुख रूप से भाग लिया।

## हर सैंपल की होगी जीनोम सिक्वेसिंग

लखनऊ (संवाददाता)। केरल में कोविड के नए वैरिएंट को लेकर प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों एवं जिला अस्पताल में तैयारी पूरी है। कोविड के मरीज मिलने पर संबंधित सैंपल की जीनोम सिक्वेसिंग कराई जाएगी। प्रदेश के सभी अस्पतालों को पखवारेभर पहले ही इंफ्लुएंजा से संबंधित केस की स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए गए थे। इसमें सर्दी जुखाम, बुखार के साथ निमोनिया के मरीजों की संख्या पांच से अधिक होने पर तत्काल संबंधित क्षेत्र में मुख्यालय से टीम भेजने की तैयारी की गई है। इसकी नियमित निगरानी की जा रही है, लेकिन अभी तक कोई केस नहीं मिला है।

# कायस्थ महासभा 2150 का पदाधिकारी सम्मेलन 22 दिसंबर को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 जौनपुर की एक आवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट के अध्यक्षता में उनके मियांपुर आवास पर सम्पन हुई संचालन जिला महासचिव अनुराग श्रीवास्तव एडवोकेट ने किया । बैठक में 22 दिसंबर शुक्रवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित श्रीवास्तव के जौनपुर आगमन पर चर्चा हुई कायस्थ महासभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित श्रीवास्तव जौनपुर में कायस्थ महासभा 2150 के पदाधिकारियों के साथ संगठन मजूबती बैठक व सदस्यता ग्रहण समारोह ,पदाधिकारी सम्मान समारोह में शाम 6 बजे होटल रघुवंशी में भाग लेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में कायस्थ महासभा का विस्तार पूरे देश में किया जा रहा है लोगों का जुड़ाव महासभा से हो रहा है। राष्ट्रीय सचिव राजीव श्रीवास्तव राजू ने कहा कि कायस्थ महासभा कायस्थों के उत्थान के लिए तत्पर हैं और रहेगी। राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट ने कहा कि आज कायस्थ महासभा 2150 से लोगो का जुड़ाव तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि इस महासभा में सभी कायस्थों को एक समान सम्मान दिया जाता हैं। प्रदेश संगठन मंत्री उमेश श्रीवास्तव व प्रदेश सचिव अनुपम श्रीवास्तव व प्रदेश प्रवक्ता 2150 विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित श्रीवास्तव के जौनपुर प्रथम आगमन पर जोरदार स्वागत किया जायेगा।दीवानी अधिवक्ता संघ के ऑडिटर वरिष्ठ अधिवक्ता अतुल कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट व वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि आज कायस्थ समाज जागरूक हो गया है जो अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर है। चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी डॉ संजय श्रीवास्तव ने कहा कि जल्दी ही कायस्थ महासभा 2150 द्वारा एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जायेगा। बैठक में जिला उपाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव एडवोकेट विनय श्रीवास्तव एडवोकेट वरिष्ठ नेता संगत पंगत अजय वर्मा अज्जू, जिला उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव पत्रकार अतुल श्रीवास्तव एडवोकेट अनुराग श्रीवास्तव एडवोकेट उमेश श्रीवास्तव,राजेश श्रीवास्तव आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।अंत में डॉ संजय श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया।

# राष्ट्रीय लोकदल व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने आज देश के प्रधानमंत्री मोदी जी को पत्र लिख कर श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न दिए जाने की मांग की

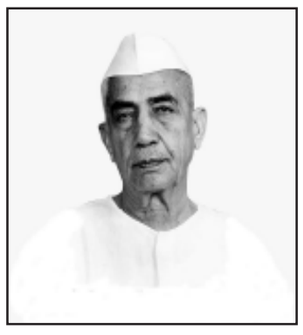

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने आज देश के प्रधानमंत्री मोदी जी को पत्र लिख कर श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न दिए जाने की मांग की।उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह ने जीवन पर्यंत शोषितों और और वंचित वर्ग के लोगों की लड़ाई लड़ी है,चौधरी साहब को जब भी अवसर मिला उन्होंने किसानों एवं पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए अपनी पूरी क्षमता से कार्य से किया।

रोहित अग्रवाल ने पत्र में कहा कि श्रद्धेय चौधरी सहाब कहते थे कि देश कि ष्समृद्धि और खुशहाली का रास्ता गांवों से होकर गुजरता हैष , और इसलिए उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन ग्रामीण भारत के विकास हेतु समर्पित कर दिया।

स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी नें कई संवैधानिक पदों को सुशोभित किया,वे उत्तर प्रदेश कैबिनेट मंत्री, तत्पश्चात उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मंत्री रहे, इसके अलावा वे केंद्रीय कैबिनेट में मंत्री, उप–प्रधानमंत्री तत्पश्चात भारत के प्रधानमंत्री रहे।वे भारत के इकलौते राजनेता हैं, जिन्हें षकिसान मसीहाष कहलाने का गौरव प्राप्त है, यह गौरव उन्हें प्रेम करने वाली इस देश की सम्मानित जनता ने प्रदान किया है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि राजनीतिक कारणों के चलते सरकार लगातार इस बात को नजरअंदाज कर रही है, यह प्रश्न बार–बार खड़ा होता है कि चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न अब तक क्यों नहीं दिया गया, क्या वे वंचित और किसानों के नेता थे इसलिए उन्हें अब तक भारत रत्न प्रदान नहीं किया गया, चौधरी चरण सिंह जी पूरे देश के प्रधानमंत्री थे, उन्होंने अपने जीवन में हर वर्ग के लिए संघर्ष किया, हर वर्ग के उत्थान का प्रयास किया। सरकार द्वारा चौधरी साहब के बलिदान को नजरअंदाज करना इस देश की जनता का अपमान हैं।

रोहित अग्रवाल ने कहा कि 23 दिसंबर को जब पूरा देश चौधरी साहब की जयंती किसान दिवस के रूप मना रहा होगा,ऐसे खास दिन पर सरकार जनता की भावनाओं की कदर करते हुए चौधरी साहब के लिए भारतरत्न की घोषणा कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करे।

उन्होंने आशा कि मोदी जी पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसानो के मसीहा श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह जी के लिए भारत रत्न की घोषणा करने हेतु हर सम्भव प्रयास करेंगे।

# नवांगतुक अपर पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने किया पाली थाने का निरीक्षण

## एडिशनल एसपी ने पाली थाना प्रभारी निरीक्षकअरविन्द कुमार राय व समस्त पुलिस बल के साथ की अपराध बैठक

ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव
'पाली(हरदोई)' नवांगतुक अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) मार्तण्ड प्रकाश सिह ने मंगलवार की रात को थाना पाली का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक से अपराध और अपराधियों पर की गई कार्यवाही के संबंध में जानकारी ली। एएसपी ने अपराध रजिस्टर और अभिलेखों का रख –रखाव देखा। इसके अलावा थाना परिसर स्थित बैरक आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले कार्यालय में अपराध रजिस्टर जांचा। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय से दर्ज मामले व उन में की गई कार्यवाही के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अपराध संबंधी अन्य अभिलेख आदि जांचने के साथ ही सभी कागजात पूर्ण व व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। इसके बाद एएसपी ने थाना परिसर स्थित कंप्यूटर कक्ष, मुंशी कक्ष, हवालात, मैस आदि का निरीक्षण कर थाने में साफ सफाई पर संतुष्टि जाहिर की। एएसपी ने इंस्पेक्टर से वांछित व वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर की गई कार्यवाही का ब्यौरा तलब किया। कंप्यूटर कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, मैस आदि का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय ,अतिरिक्त निरीक्षक वहीद अहमद, ,उपनिरीक्षक रामऔतार, उपनिरीक्षक शकील अहमद के अलावा समस्त पुलिस स्टॉफ मौजूद रहा।

# संकल्प पूर्ण करता संकल्प क्षेत्रीय अधिवेशन : विक्रांत खंडेलवाल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत विकास परिषद एनसीआर 2 क्षेत्र का क्षेत्रीय अधिवेशन रविवार ,17 दिसंबर 23 को लखनऊ स्थित भारत विकास परिषद के भवन श्री सुमतिनाथ सेवा भवन एवं भारत विकास परिषद स्वास्थ्य सेवा केंद्र, कृष्णा नगर लखनऊ में संपन्न हुआ ।

इस अधिवेशन की योजना में ही लिए गए संकल्पों के कारण इस क्षेत्र में होने वाले बड़े कार्यक्रम में कार्यकर्ता आधारित व्यवस्था, जीरो प्लास्टिक यूज, जीरो वेस्ट को आधार बनाकर जन सहभागिता एवं जनजागरण का लक्ष्य रखा था । अधिवेशन की तैयारी के चलते आसपास के दो–तीन किलोमीटर के क्षेत्र में सरकारी एजेंसीयो को निवेदन करें पुरा अतिक्रमण हटाया गया चार दिनों तक पूरे क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया गया । अधिवेशन के प्रचार–प्रसार एवं अतिथियों के स्वागत में प्रमुख मार्गो में बड़े होर्डिंग लगवाए गए । पूरे क्षेत्र को परिषद के झंडों से सजाया गया । पूरे क्षेत्र में चुने से लाइनिंग करवाई गई ,रंगोली बनाई गई । संकल्प क्षेत्रीय अधिवेशन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा को,उद्घाटन कर्ता एवं भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजेंद्र सिंह संधू के सानिध्य में

विस्तार एवं गुणवत्ता सुधार के मापदंडों पर अग्रणी क्षेत्र इस एनसीआर 2 के 650 प्रतिनिधियों ने पंजीकरण करवा कर उपस्थित रहें । अधिवेशन में विशेष रूप से परिषद परिचय के साथ–साथ परिषद के पंचसूत्री सेवा कार्य एवं संस्कार के कार्यो की भव्य सुंदर व्यवस्थित प्रदर्शनी को भी लगाया गया । किट के रूप में जूट से बने सुंदर बैग में कार्यकर्ताओं के उपयोग का साहित्य दिया गया । जिसमें महिलाओ के लिए विशेष रूप से बनी पुस्तक ष स्वयंसिद्धाष, प्रत्येक सदस्यों के काम आने वाला संकल्प पत्र ( विस्तृत व्याख्या सहित),भारत विकास परिषद की आगामी दिशा के सन्दर्भ में मा.मुकुंदराव जी का भाषण तथा नागरिक कर्तव्यों के साथ छपी पुस्तक के साथ भारत विकास परिषद की नोट बुक, ,2024 का कैलेंडर भी दिया गया ।

इस अधिवेशन की भोजन व्यवस्था अपने कार्यक्रताओं के द्वारा अपने भवन में की गई । जहां पर सभी की सुविधाओं के लिए 600 लोगों के लिए चार भोजन काउंटर लगाए गये तथा विशिष्ट अतिथियों एवं बैठ कर खाने की आवश्यकता वालों के लिए बैठ कर भोजन करने की व्यवस्था की गई थी । 600 प्रतिनिधियों का संकल्प अधिवेशन 200 विशिष्ट जनों की जन सहभागिता से और अधिक सार्थक बना सिद्ध हुआ है । अधिवेशन की मुख्य विषय वस्तु भाषणों के रूप में भी विभिन्न वक्ताओं के द्वारा सबके बीच रखी गयी । वक्ताओं द्वारा प्रत्येक शाखा की पीएसटी में महिलाओं को स्थान देना, हर एक शाखा एक गांव अथवा बस्ती को सेवा एवं संस्कार के कार्यो हेतु विशेष रूप से गोद लेना , हर शाखा में महिलाओं के माध्यम से 10 परिवारों को स्वावलम्बी बनाने का संकल्प लेने का आव्हान किया गया ।

जहाँ तक बात विस्तार और गुणवत्ता सुधार की है तो क्षेत्रीय महासचिव की रिपोर्ट में जिन संख्याओं का उल्लेख किया था उसके अनुसार एनसीआर 2 की सदस्यता अगस्त 2021 में 3347 के स्थान पर 31 नवंबर 2023 को 7136 हो गई है जो की लगभग 112: वृद्धि दर्शाती है वही शाखाओं की संख्या अगस्त 2021 के 62 के स्थान पर अब तक 141 हो गई है जो कि 127: वृद्धि दर्शाती है ।( केंद्रीय कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार ) क्षेत्र में कार्य की गुणवत्ता सुधार का कोई वैसा पैमाना नही है लेकिन हर कोई यह जरूर कहता है कि इन दो वर्षो में बहुत कुछ सकारात्मक बदलाव इस क्षेत्र में देखने को मिल रहे है । मुझे लगता है आप भी महसूस करते होंगे ।

अधिवेशन की सफलता और सार्थकता तब और सिद्ध हो जाती है जब कार्यक्रम के समापन के बाद कार्यकर्ताओं के चेहरों पर थकावट की जगह मुस्कान रहती है । अवध प्रांत टीम और एनसीआर 2 क्षेत्र के सभी पदाधिकारियों एवं सभी सदस्यों का आभार आपके आने से ही अधिवेशन सार्थक बना है।

# स्व0 कुंवर श्री पाल सिंह राजा सिंगरामऊ की 15 वीं पुण्यतिथि कंबल वितरण का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर स्व0 कुंवर श्री पाल सिंह राजा सिंगरामऊ की 15 वीं पुण्यतिथि पर ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति के द्वारा गरीबों को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कंबल वितरण संस्था प्रमुख डॉ.अंजू सिंह, कुंवरानी मीरा सिंह के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उपस्थिति जन समुदाय ने अपने पूजनीय राजा जी को पुष्पांजलि अर्पित कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

इस अवसर पर सत्यजीत मौर्य ने स्वर्गीय राजा कुंवर श्रीपाल सिंह के व्यक्तित्व एवं कृति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके व्यक्तित्व से हमें बहुत सीख मिलती है। इसी क्रम में ठाकुरबाड़ी महिला कल्याण विकास समिति की अध्यक्ष महारानी डॉ अंजू सिंह ने कहा कि आज वह हम लोग के बीच नहीं है फिर भी उनके किए गए तमाम सामाजिक कार्यों को हम लोग याद करते हैं। अपने जीवन काल में उन्होंने अपनी जनता की बहुत सेवा किया सदैव जनता के हितों का ध्यान रखा इस कारण आज भी वह सिंगरामऊ रियासत में लोकप्रिय हैं यहां उपस्थित जनसमूह इस बात का द्योतक है।

कार्यक्रम मे विनोद मिश्रा, लालमनी मिश्र, गणेश हलवाई, रागिनी, जबिअख्तर, मंजू सिंह, आदि सहित कई दर्जन लोग उपस्थित रहें।

## एमआईईटी मेरठ के मोहसिन को चांसलर मेडल

लखनऊ (संवाददाता)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के 26 दिसंबर को होने वाले दीक्षांत समारोह में चांसलर मेडल मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) मेरठ के छात्र मोहसिन अफरोज को दिया जाएगा। मोहसिन ने बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में टॉप किया है। इसी के साथ स्व. कमलरानी वरुण मेडल पीएसआईटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग कानपुर की बीटेक इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की छात्रा प्रज्ञा गौतम को दिया जाएगा।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि एआईसीटीई के चेयरमैन टीजी सीताराम होंगे। समारोह में कुल 95 गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल दिए जाएंगे। इनका अनुमोदन सोमवार को कुलपति प्रो. जेपी पांडेय की अध्यक्षता में हुई विद्या परिषद की बैठक में किया गया। इस साल सर्वाधिक 112 पीएचडी डिग्री भी छात्रों को अवॉर्ड की जाएंगी। प्रो. पांडेय ने बताया कि अलग–अलग पाठ्यक्रमों के 49,452 छात्रों को डिग्री दी जाएगी।

## प्रोग्राम खेलो इंडिया के तहत आयशा पब्लिक स्कूल में खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

सुल्तानपुर। बल्दीराय क्षेत्र के पारा बाजार में आयशा पब्लिक स्कूल में थाना प्रभारी बल्दीराय आर बी सुमन ने खेलो इंडिया के तहत फीता काट कर चार दिवसीय खेल प्रतियोगिता शुभारम्भ किया और बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे भारत के भविष्य है बच्चों से नए भारत का निर्माण होगा।

विद्यालय प्रबंधक मो० इमरान खान ने बताया कि चार दिवसीय खेल प्रतियोगिता के तहत वैड मिंटल, कबड्डी,खो–खो,टैग ऑफ वार,स्लो साइकिलिंग,लंबी कूद,सैक रेस,लम लेग,फ्रॉग जम्प,रेस,म्यूजिकल चेयर गेम खेलो का आयोजन किया गया है।

इस मौके पर मुश्ताक खान, प्रिंसीपल राजेश मौर्या, वाईस प्रिंसीपल तस्लीम बानो,अनुभव सिंह,पूनम वर्मा, जवेरिया सिद्दीकी, हेम लता, कृष्ण राम राव,नाजरीन बानो, साधना गुप्ता,शहर बानो, शिफा सिद्दीकी,सृष्टि सिंह,फिरदौस जहां आदि उपस्थित थी।

# लखनऊ में 24 और 25 दिसंबर को होगा संस्कृतियों का संगम

लखनऊ (संवाददाता)। विगत वर्ष की भांति इस साल भी संस्कृति विभाग और मीडिया के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय संगम संस्कृतियों का आयोजन 24 और 25 दिसंबर को होगा। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के उपलक्ष्य में हो रहे इस आयोजन में दिखेगी विविधता में एकता की झलक। आयोजन रिवर फ्रंट वाली चटोरी गली में दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा। यहां प्रवेश निशुल्क होगा, लकी ड्रा से आकर्षण उपहार भी मिलेंगे। इसमें जैन, राजस्थानी, मराठी, पर्वतीय, काश्मीरी, पंजाबी, केरल, भोजपुरी, सिंधी, बंगाली, गुजराती, मुस्लिम, अवधी, तमिल, गोरखा, जनजातीय, ओडिसा और ईसाई समाज के खान–पान के अलावा लखनवी खास स्वाद से रूबरू होने का मिलेगा मौका। इसके अलावा फूड जोन और शापिंग जोन भी होगा, जहां ओडीओपी, एमएसएमई और गृह उद्योग आधारित उत्पाद खाने और खरीदने का मौका भी मिलेगा।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।